



Ishan

31 Aug 1998

Model: web-freenumerology

Order No: 121006202

## अंक ज्योतिष फल

नाम	Ishan
जन्म तिथि	31/08/1998
मूलांक	4
भाग्यांक	3
नामांक	6
मूलांक स्वामी	हर्षल/राहु
भाग्यांक स्वामी	गुरु
नामांक स्वामी	शुक्र
मित्र अंक	1, 8, 3
शत्रु अंक	5
सम अंक	2, 6, 7, 9
मुख्य वर्ष	2011,2020,2029,2038,2047,2056,2065,2074
शुभ आयु	13,22,31,40,49,58,67,76
शुभ वार	रवि, सोम, शनि
शुभ मास	जन, अप्रै, अग
शुभ तारीख	4, 13, 22, 31
शुभ रत्न	गोमेद
शुभ उपरत्न	काला हकीक
अनुकूल देव	गणेश
शुभ धातु	सीसा
शुभ रंग	काला
मंत्र	ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः
शुभ यंत्र	बुध यंत्र

9	4	11
10	8	6
5	12	7

## अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक 31 होने से तीन एवं एक के योग से आपका मूलांक चार होता है। इसका अधिष्ठाता भारतीय मतानुसार राहु तथा पाश्चात्य मतानुसार हर्षल ग्रह को माना गया है। अंक तीन का स्वामी बृहस्पति तथा अंक एक का स्वामी सूर्य ग्रह है।

मूलांक चार के प्रभाव से आप अचानक एवं आश्चर्य जनक प्रगति प्राप्त करेंगे। आपको वही कार्य अच्छे लगेंगे, जिनके द्वारा शीघ्रता से ऊँचाईयाँ प्राप्त की जा सके। ऐसा ही कार्यक्षेत्र आपके लिये अनुकूल रहेगा, जिनमें कम समय में अधिक लाभ कमाया जा सके। आपकी विचारधारा थोड़ी आधुनिक रहेगी एवं पुरानी रीतियों, मान्यताओं के आप हिमायती नहीं होंगे। उनमें परिवर्तन की इच्छा रखेंगे। इससे आपको विरोधियों का सामना करना पड़ेगा।

धन संग्रह आप अधिक नहीं कर पायेंगे। किन्तु आपको समाज में नाम, यश, पद-प्रतिष्ठा अच्छी प्राप्त होगी। सामाजिक क्षेत्र में आप आमूल-चूल परिवर्तन के हामी होंगे। लेकिन परिस्थितियाँ हर समय आपका साथ दें यह संभव नहीं है। कभी आपकी बात मानी जायेगी कभी नकार दी जायेगी। आप अपनी सफलता का मार्ग स्वयं संघर्ष करते हुए बनायेंगे। अतः संघर्ष करना आपकी आदत में आ जायेगा। जिससे एकाध घटनाएं ऐसी घटेंगी जो आपका मार्ग बदल देगी या स्थायी प्रभाव छोड़ जायेंगी।

अंक तीन के स्वामी बृहस्पति के प्रभाव से आप में बौद्धिक स्तर उच्चकोटि का रहेगा। आपके कई निर्णय चमत्कारिक होंगे। जिनसे आपको ख्याति मिलेगी। एक अंक के स्वामी सूर्य के प्रभाववश आपकी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी और समाज में नाम तथा यश प्राप्त होगा।

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।